BELIEVERS EASTERN CHURCH
Office of the Metropolitan, Synod Secretariat, St. Thomas Community, Thiruvalla, Kerala, India.

चरवाहे का पत्र

July - August 2023

सभी आर्चबिशप्स और बिशपगण, याजक और डीकन फॉदर, ईवैन्जलिस्ट और ऑर्डर ऑफ सिस्टर्स एवं विश्वव्यापी बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च के सभी विश्वासियों को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में आशिषें और शुभकामनाएँ। आमीन!✠

मसीह में अति प्रियों,

हम रूपांतरण पर्व के काल में प्रवेश करने वाले हैं, उस समय हम उत्सव मनाते और याद करते हैं जिसमें हमारे प्रभु यीशु मसीह अपनी दिव्य महिमा को प्रकट करते हुए रूपांतरित हुए थे (संत मत्ती 17:1-8। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हमारे ऑर्थोडॉक्स मसीही जीवन का लक्ष्य परमेश्वर के ईश्वरीय स्वभाव में अधिकाधिक बदलते जाना है (2 कुरिन्थियों 3:18)। यह प्रक्रिया आमतौर पर 'देवत्वारोपण' या 'थियोसिस' के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

1. यीशु को हमारा मापदंड होना चाहिए:

आरम्भिक विश्वासियों को मसीही कहा जाता था (प्रेरितों के काम 11:26) क्योंकि वे मसीही स्वभाव का जीवन जीते थे। वास्तव में सेंट इग्नेसियस, एक प्रारंभिक कलीसिया के पितामह और कलीसिया के बिशप, स्वयं को परमेश्वर का वाहक कहते थे। आज यदि हमारे आस-पास के लोग हमें ध्यान से देखते हैं, तो वे हमें क्या कहेंगे? क्या वे गपशप करने वाले, क्रोधी, पैसों के प्रेमी, विद्रोही, अभिमानी या करुणाहीन कहेंगे? या क्या हम सचमुच मसीही कहलाने के योग्य हैं?

हम अपने गैर-मसीही स्वभाव और व्यवहार के लिए कई बहाने बना सकते हैं, लेकिन हमारा उदाहरण यीशु होना चाहिए। हमारी गहरी इच्छा यह होनी चाहिए, ''प्रभु यीशु, मैं आपके जैसा बनना चाहता हूँ, ताकि मैं आपके नाम को महिमा दे सकूँ।'' इसका मतलब यह है, हम अब अपनी संस्कृति, अपनी पारिवारिक पृष्टभूमि, अपनी पिछली असफलताओं और अन्य लोगों के खराब उदाहरणों का उपयोग हम जैसे हैं वैसे बने रहने के बहाने के रूप में नहीं करेंगे। और हर बार जब हम असफल होते हैं, तो हमें यीशु की प्रार्थना करनी चाहिए–'प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र, मुझ पापी पर दया करें।'

2. दूसरों पर ध्यान दिए बिना हमें पवित्र वचनों का पालन करने का निर्णय लेना चाहिए:

यीशु ने कहा, यदि तुम मुझ से प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे (यूहन्ना 14:15) इसलिए, हम परमेश्वर के वचनों का पालन करके अपना प्रेम दिखाते हैं। यदि दूसरे गपशप करते हैं तो हम उनके साथ शामिल नहीं होंगे। यदि वे अधिकारी के अधीन नहीं होते हैं या आलोचनात्मक भावना का प्रदर्शन करते

हैं, तो हमारा इसमें कोई भाग नहीं होगा। क्यों? क्योंकि हम परमेश्वर की इच्छा को पूरा करना चुनते हैं जैसा कि उसका वचन हमें निर्देश देता है। हम उपवास करते हैं, हम प्रार्थना करते हैं, हम दयादान देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे पवित्र शास्त्र हमें बताता है।

3. बुरी संगति से दूर रहें:

एक पुरानी कहावत है, ''मुझे बताओ कि आपका दोस्त कौन है, और मैं आपको बताऊँगा कि आप कौन हैं।'' हम सोच सकते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे करीबी दोस्त कौन हैं या हम किसके साथ समय बिताते हैं। लेकिन यह दुश्मन की सबसे शक्तिशाली धोखे में से एक है। जिन लोगों से हम मिलते हैं उनका नकारात्मक व्यवहार, आलोचनात्मक भावना और विद्रोही रवैया धीरे-धीरे हमारे अंदर जहर घोलता जाएगा। सेंट पॉल आदेश देते हैं – 'उन लोगों से दूर रहो जो परम्परा के अनुसार नहीं चलते हैं, जो तुम्हें हम से मिली है।' (2 थिस्सलुनिकियों 3:6), आइए हम धोखा न खाएँ : 'बुरी संगति अच्छी चरित्र का बिगाड़ देती है।' (1 कुरिन्थियों 15:33)

मसीही में मेरे प्रिय बच्चों, यहाँ तक कि जब हम रूपातरण को पर्व मनाते हैं, हम यह कभी न भूलें कि परमेश्वर चाहता है कि हम उसके पुत्र, यीशु मसीह की समानता में बदलते जाएँ, जो उसके दिव्य स्वभाव के भागी हैं। (2 पतरस 1:4)

हम भारत में मणिपुर राज्य के लिए प्रार्थना करना जारी रखें कि वहाँ शांति बनी रहे, हमारे भाई-बहन निर्भीक, साहसी और मसीह जैसे बने रहें, भले ही वो कठीन समय से गुजर रहे हों।

साथ ही हमारे युवा भाईयों और बहनों के लिए प्रार्थना करते रहें जिन्होंने हमारे सेमिनरी में प्रशिक्षित होकर, और कम्पैशन की बहनों के रूप में पवित्र कलीसिया की सेवा करना चुना है।

पवित्र कलीसिया की सेवा में,

मसीह में आपका पिता

तिथि : 25 जुलाई 2023
स्थान : पवित्र सिनॅड

अथनेशियस योहान I मेट्रोपॉलिटन

निर्देश: कृपया यह सुनिश्चित करें कि इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित है और विश्वासियों के प्रोत्साहन के लिए सभी स्थानीय कलीसियाओं में पढ़ा जाए।